नवजात के मामूली रोग
Minor Disorders of Newborn

नवजात शिशु में कई ऐसी मामूली असामान्यताएं (minor abnormalities) पाई है जो अविस्तारक (benign) एवं स्व-सीमित (self-limiting) प्रकृति की होती है एवं उन्हें किसी उपचार की आवश्यकता नहीं होती है | एक नर्स को इन मामूली रोगों की जानकारी होना आवश्यक है ताकि वह अभिभावकों की मिथ्या शंकाओं एवं चिंताओं का समाधान कर सके | नवजात शिशु में पाए जाने वाले ये मामूली रोग या असमानताएं निम्न प्रकार है -

जन्म चिन्ह
Birth Marks

Birth mark नवजात शिशु की त्वचा पर पायी जाने वाली जन्मजात, स्थानीय एवं अविस्तारक अनियमितता है जो की जन्म के समय उपस्थित रहती है या जन्म के तुरंत बाद (सामान्यत: प्रथम माह में) प्रकट होती है | ये त्वचा पर कहीं भी पाए जा सकते हैं एवं रक्त वाहिकाओं (blood vessels), मेलानोसाइट्स (melanocytes), कोमल पेशियों (smooth muscles), वसा (fat), फाइब्रोब्लास्ट (fibroblast) या कीरेटिनोसाइट्स की अतिवृदधि के कारण होते हैं |

प्रकार (Types)

Birth marks मुख्यत: 2 प्रकार के होते हैं -

1. रंजकयुक्त जन्म चिह्न (Pigmented birthmarks) :

त्वचा में स्थित रंजक कोशिकाओं (pigment cells) की अधिकता के कारण होने वाले जन्म चिन्ह 'Pigmented birth marks' कहलाते हैं |

Pigmented birth marks के मुख्य प्रकार निम्न है -

Mole : इन्हें congenital melanocytic nevus के नाम से भी जाना जाता है | ये birth marks गोरे शिशुओं में हल्के भूरे, तो गहरे रंग की त्वचा वाले शिशिओं में

काले रंग के नज़र आते हैं | ये marks भिन्न भिन्न आकार व आकृति के होते हैं | ये चपटे या उभरे हुए हो सकते हैं | ये सामान्यत: सिर व गर्दन पर पाए जाते हैं लेकिन ये शरीर पर कहीं भी हो सकते हैं |

नवजातीय चकत्ते
Neonatal Rashes

नवजात शिशु में पाए जाने वाले common rashes निम्न प्रकार हैं -

Pink Pimples: इन्हें 'Neonatal acne' भी कहते हैं | ये संभवत: गर्भ में शिशु के मातृ हार्मोन्स के संपर्क में आने के कारण होते हैं | इन्हें किसी उपचार की आवश्यकता नहीं होती है | ये कुछ सप्ताहों से लेकर कुछ महीनों में स्वत: विलुप्त हो जाते हैं |

Miliaria rubra : इन rashes को heat rashes भी कहते हैं | ये छोटी लालिमायुक्त papules एवं vesicles के रूप में प्रकट होने वाले rashes स्वेद वाहिकाओं की गहराई में अवरूद्ध होने के कारण होते हैं | ये सामान्यत: त्वचा पे कपड़ों से ढके हिस्सों में पाए जाते हैं |

Seborrheic dermatitis : ये लालिमा एवं चिकने शल्कों (Greasy scales) द्वारा चरितार्थ होने वाले सामान्य rashes हैं जो कि सामान्यत: कपाल पर पाए जाते हैं | कपाल के अतिरिक्त ये rashes चेहरे, कानों, गर्दन एवं डायपर क्षेत्र पर पाए जातें हैं |

Cutis mamorata : कम तापमान पर शिशु के शरीर का रंग अस्थायी रूप से फीका पड़ जाने की घटना 'Cutis mamorata' कहलाती है | त्वचा के गरम होने पर त्वचा पुन: सामान्य रंग की हो जाती है |

त्वचा संक्रमण
Skin Infections

नवजात शिशुओं में होने वाले सामान्य त्वचा संक्रमण निम्न प्रकार हैं -

मुखपाक या मुखव्रण
Oral Thrush or Oral Candidiasis

परिभाषा (Definition)

"Oral thrush जीभ एवं मुखगुहा का एक fungal infection है जो कि जीभ, होंठ, मसूड़े एवं मुख श्लेष्मा पर दूधिया सफ़ेद, उभरे हुए चकत्तों के रूप में प्रदर्शित होता है, जिन्हें gauze से पोंछा नहीं जा सकता एवं हटाने पर चमकीला लाल, रक्तरंजित स्थान छोड़ता है |"

यह infection candida albicans नामक fungus के कारण होता है |

कारण (Cause)

- **दूषित birth canal :** माँ को fungal infection (vaginal moniliasis) होने पर जन्म के समय neonate के infected birth canal से गुजरते वक़्त यह infection neonate को प्राप्त हो जाता है |
- दूषित स्तन चुचुक (contaminated breast nipple)
- दूषित दूध पिलाने की बोतल (contaminated feeding bottles)
- दूषित हाथ (Contaminated hand)
- दूषित औज़ार, उपकरण एवं सामग्री (Contaminated equipments, articles and supplies)
- लम्बे समय तक antibiotic therapy

चिह्न एवं लक्षण (Sign and Symptoms)

- Tongue, lips, gums एवं buccal mucosa पर सफ़ेद उभरे हुए चकत्ते (white elevated patches)
- Neonate स्तनपान नहीं करता (refusal to suck)

बचाव (Prevention)

- Maternal fungal infection की शीघ्र पहचान एवं उपचार |
- Caregiver द्वारा feeding करवाने पूर्व एवं पश्चात ठीक तरीके से हाथ धोना चाहिए |
- Neonate को स्तनपान करवाने से पूर्व स्तनों को साफ़ करना |
- Bottle feeding को हतोत्साहित (discourage) करना |

- Feeding articles की स्वछता बनाए रखना |
- Neonate के काम आने वाले equipments, articles एवं supplies की स्वच्छता बनाए रखना |

उपचारात्मक प्रबंध (Therapeutic Management)

- प्रभावित सतहों पर gentian violet का 1% aqueous घोल, feeding के बाद, दिन में 2 बार, 3 दिनों तक या प्रभावित सतहों पर nystation solution दिन में 4 बार, lesions विलुप्त होने के 2 दिन बाद तक लगाते हैं |

नर्सिंग प्रबंध (Nursing Management)

- Neonate के आकलन के समय candidiasis के लक्षणों की जांच करते हैं |
- Neonate को care provide करने से पूर्व एवं पश्चात हाथ धोते हैं |
- माँ को breastfeeding से पहले स्तनों को साफ़ करने की सलाह देते हैं |
- Breastfeeding को encourage एवं bottle feeding को discourage करते हैं |
- चकत्तों पर doctor द्वारा prescribed दवा लगाते हैं |
- Feeding के पश्चात दवा लगाने से पहले मुहं को plain water से भिगोते है |
- Feeding bottle एवं nipple को feeding से पूर्व 20 मिनट तक उबालते हैं |
- Neonate के काम आने वाले equipments, articles एवं supplies को स्वच्छ रखते हैं |
- दवा लगाने के लिए प्रत्येक neonate के लिए अलग applicator या syringe काम में लेते हैं |

इम्पिटिगो कन्टेजिओसा
Impetigo Contagiosa

परिभाषा (Definition)

"Impetigo contagiosa streptococci या staphylococci द्वारा होने वाला त्वचा का एक जीवाणुजनित संक्रमण है, जो कि पीले- लाल, रिसते हुए छिलकेदार घाव के रूप में विशेषकर नाक, मुंह एवं गालों के आस पास या हाथ - पैरों पर प्रकट

होता है |"

कारण (Cause)

- देखभाल करने वाले के दूषित हाथ (Contaminated hands of caregivers).

- दूषित उपकरण, वस्तुएँ एवं अन्य सामग्री (Contaminated equipments, articles and supplies).

चिन्ह एवं लक्षण (Sign and Symptoms)

- नाक, मुंह एवं गालों के आस - पास yellowish - reddish रंग के रिसते हुए छिलकेदार घाव | ये घाव शुरू में आस - पास की त्वचा से हल्के या गहरे रंग के flat spots (macules) होते हैं , जो बाद में फफोले (vesicles) में रूपांतरित हो जाते हैं | इन फफोलों में स्थित द्रव (exudate) के सूखने पर इनके ऊपर गेहरू के रंग का (amber-colored) छिलका (crust) आ जाता है | इस छिलके को हटाने पर एक नम (moist) एवं लाल सतह (base) नज़र आती है |
- ये घाव तेज़ी से बाहर की ओर फैलते हैं |
- इनमे खुजली (itching) होती है |
- ये घाव highly contagious होते हैं अर्थात छूने से फैलते हैं |

उपचारात्मक प्रबंध (Therapeutic Management)

- घावों पर neo-polycin या garamycin या neosporin ointment लगाते हैं |
- अगर घाव अधिक हो तो मुंह या injection द्वारा antibiotic देते हैं |

नर्सिंग प्रबंध (Nursing Management)

- घाव को दिन में 2 से 3 बार exudate हटाने के लिए साबुन एवं पानी से धोते हैं |

- Hard crust को हटाने के लिए पहले इसे warm normal saline या Burow's solution (1 : 20) लगाकर soft करते हैं, एवं फिर crust को हटाते हैं |

- Doctor द्वारा prescribed ointment घाव पर लगाते हैं |
- Extensive infection में doctor द्वारा prescribed antibiotic, orally या parenterally देते हैं |
- Care देने पूर्व एवं पश्चात् हाथ धोते हैं |
- घावों को further injury से बचाने हेतु नाखूनों को छोटा रखते हैं एवं यदि आवश्यक हो तो हाथों में दास्तानें पहनाते हैं |

- उपर्युक्त care एवं precautions के बारे में, घर पर देखभाल हेतु parents को बताते हैं |
- Parents को neonate के लिए काम में ली जाने वाली सामग्री को share न करने की सलाह देते हैं |
- Parents को घावों से pus आने पर doctor को दिखाने की सलाह देते हैं |

नितम्ब व्रण
Sore Buttocks

लंगोट या डायपर (diaper) क्षेत्र में त्वचा के प्रवाह को नितम्ब व्रण (Sore buttocks) कहते हैं | इसे diaper rash या nappy rash या diaper dermatitis के नाम से भी जाना जाता है |

कारण (Cause)

Diaper rash के लिए निम्न कारक ज़िम्मेदार होते हैं -

- मल व मूत्र से त्वचा का निरंतर संपर्क
- बोतल द्वारा फीडिंग
- टाइट - फिटिंग डायपर
- त्वचा रोग (e.g., eczema, atopic dermatitis)
- जलन कारित करने वाले रसायनों से संपर्क
- जीवाणु/फंगस संक्रमण
- डायपर मटेरियल के प्रति एलर्जी

चिन्ह एवं लक्षण (Signs & Symptoms)

- डायपर क्षेत्र (नितम्ब, ऊपरी जाँघों व जननांगों) पर लालिमा (redness),

- चमकीले धब्बे (Shiny patches) एवं मुहांसे जैसे स्पॉट (pimply spots),
- त्वचा थोड़ी गरम |
- शिशु चिड़चिड़ा एवं डायपर बदलते या डायपर के नीचे वाली त्वचा साफ़ करते समय रोता है |

प्रबंध (Management)

- डायपर को बार - बार बदलते हैं |
- डायपर के नीचे त्वचा को कोमलता से साफ़ करते हैं एवं सूखी व साफ़ रखते हैं |
- जिंक ऑक्साइड युक्त डायपर का प्रयोग करते हैं |
- जलन उत्पन्न करने वाले मटेरियल से बने डायपर का प्रयोग नहीं करने की सलाह देते हैं |
- Rashes का barrier cream या ointment (e.g. जिंक ऑक्साइड, पेट्रोलियम जेली) द्वारा उपचार करते हैं |
- Proper fitting डायपर का प्रयोग करते हैं |
- त्वचा संक्रमण का एंटीबायोटिक आइन्टमेंट द्वारा उपचार करता हैं |

नेत्र संक्रमण (Eye Infection or Ophthalmia Neonatorum)

यह conjunctivitis का एक रूप है जिसे neonatal conjunctivitis भी कहते हैं | Neisseria gonorhoeae या Chlamydia trachomatis नामक रोगाणुओं द्वारा संक्रमित माँ से जन्मे शिशु में इस नेत्र संक्रमण की संभावना रहती है | प्रसव के दौरान birth canal से गुज़रते समय शिशु की आँखें संक्रमित पदार्थ से दूषित होने पर यह संक्रमण होता है |

कारण (Causes)

- माँ के संक्रमण (e.g. Neisseria gonorrheae, chlamydia trachomatis, herpes simplex virus, staphylococcus aureus, streptococcus haemolyticus, streptococcus pneumoniae etc).
- रासायनिक प्रदाहक (Chemical irritants, e.g. silvernitrate)

- अवरुद्ध अश्रुवाहिका (Blocked tear duct)

प्रकार (Types)

शिशुओं में जन्म के पश्चात् प्रथम माह के दौरान होने वाला conjunctivitis (neonatal conjunctivitis) 2 प्रकार का होता है -

- **संक्रामक (Infectious):** माँ के संक्रमणों के कारण होने वाला conjuctivits.
- **असंक्रामक (Non-infectious):** रासायनिक प्रदाहकों एवं अवरुद्ध अश्रु वाहिका के कारण होने वाला conjunctivitis.

चिन्ह एवं लक्षण (Signs and Symptoms)

- नेत्रगोलक (eye ball) में दर्द एवं स्पर्श - वेदना (tenderness)
- मवाद्युक्त (purulent), म्युकसयुक्त (mucoid) या मवाद-म्यूकस युक्त (muco-purulent) conjuctiva discharge
- Conjuctiva में सूजन (chemosis)
- Conjuctiva में रक्त प्रवाह में वृद्धि (hyperaemia)
- पलकों में सूजन

बचाव (Prevention)

- जन्म के बाद आँखों की sterile water या normal saline से भीगे cotton swab से अंदर से बाहर की ओर सफाई करते हैं |
- सफाई के बाद प्रत्येक आँख में निम्नलिखित eye drops की 1 या 2 बूँदें डालते हैं -
  - Silver nitrate (1%)
  - Tetracyline (1%)
  - Erythromycin (0.5%)

  Eye drops के स्थान पर आँखों में tetracyline या erythromycin ointment का प्रयोग किया जा सकता है | Antibiotic eye drops या ointment का प्रयोग जन्म के पश्चात प्रथम 1 घंटे में कर लेना चाहिए | माँ के संक्रमणों की शीघ्र पहचान एवं उपचार |

उपचार (Treatment)

- संक्रामक ophthalmia neonatorum का tetracycline (1%) या erythromycin (0.5%) ointment द्वारा या 1% silver nitrate solution (Crede's method) द्वारा उपचार करते हैं |
- असंक्रामक या रासायनिक ophthalmia neonatorum स्वसीमित होता है एवं इसमें किसी उपचार की आवश्यकता नहीं होती है |
- Discharge आना बंद होने तक प्रत्येक घंटे पर Saline Solution से आँखों की सफाई करते हैं |

पता :– 101/C, (ग्रामीण स्वास्थ्य भवन) संजय गांधी पुरम, नियर लेखराज मेट्रो स्टेशन (अयोध्या रोड) - लखनऊ (उ0प्र0) पिन– 226016,
फोन – 0522–4958027, मो0 : 9565600144, 7310000213,
ई–मेल : **rhmpup@gmail.com** वेबसाइटः **www.cmseddelhi.in, www.rhmp.org**